

### ग्रसाधारण

# **EXTRAORDINARY**

भाग II—जण्ड 3—उपलब्द (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

श्राधिकार से प्रकाशित

### PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 50] नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 30, 1974/माघ 10, 1895

No. 50] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 30, 1974/MAGHA 10, 1895

इस भाग में भिम्न पष्ठ लंख्या वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सकी।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

### DELIMITATION COMMISSION, INDIA

#### CORRIGENDA

New Delhi, the 28th January 1974

- S.O. 73(E).—In the Commission's notification No. 282/OR/73, dated 31st December. 1973, published in an Extraordinary issue of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated 31st December, 1973, as S.O. 801(E), the following corrections shall be made:—
  - (i) On page 2966 in Table A, under column 2, against 4. Jajpur (SC). in second line for '28-Bari-Derabi' read '28-Bari-Derabisi';
  - (ii) On page 2971 in Table B, under column 2, against 40. Mahanga, in first line for 'in' read 'and';
  - (iii) On page 2976 in Table B, under column 2, against 79. Parlakhemundi, in third line for 'Kerandat' read 'Kerandi'; and
  - (iv) On page 2984, in the Note, after the words and figures "1st day of December, 1973" insert the words and figures "except that the reference to wards in Cuttack City shall be taken to mean the wards within that City as on the 1st day of March, 1973".

[No. 282/OR/73]

By order,

P. I. JACOB, Sccy.

### मारतीय परिसीमन श्रामीग

## म्**डि**-पक्ष

## नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1974

एस० मो० 73 (म्र) - जडीसा भारत के राजपक्ष, ग्रसाधारण मंक, भाग । खण्ड 3 उप-खण्ड (II) में तारीख 31 दिसम्बर, 1973 को का० ग्रा० 801 (म्र) के रूप में प्रकाशित श्रायोग की प्रधिसूचना संख्या 282/उड़ीसा/73, तारीख 31 दिसम्बर, 1973 में निम्नलिखित संगोधन किए आएंगे —

- (1) पृष्ठ 2996/3 पर सारणी ख में, स्तम्भ 2 के श्रधीन, 79---परलखेंमुण्डी के समक्ष, चौथी पंक्ति में 'केरंडा' के स्थान पर 'केरंडी' पहा जाए ;
- (2) पृष्ठ मंख्या 2996/4 पर सारणी ख में, स्तम्भ 2 के ग्रधीन 82—-रायागाड़ा (ग्र० ज० जा०) के समक्ष, प्रथम पंक्ति में 'कोरापट' के स्थान पर 'कोरापुट', तृशीय पंक्ति के श्रम्त में ''कनाशाम'' के स्थान पर ''कनाशाम'' पढ़ा जाए;
- (3) पृष्ठ संख्या 2996/4 पर सारणी ख में, स्तम्भ 2 के ब्राधीन, 87---चित्रकोंडा (ग्र० ज० जा०) के समक्ष द्वितीय पंक्ति में "माथिसिल" के स्थान पर "माथिलि" और "येरपोर" के स्थान पर "जयपोर" पढ़ा जाए;
- (4) पृष्ठ संख्या 2996/5 पर सारणी ख में, स्तम्भ 2 के ब्राधीन, 90---नौरंगपुर के समक्ष छठी पंक्ति में "भागतः कोग्रा" को सातवीं पंक्ति में "भागतः ब्रम्बाभाटा" के बाद पढा जाए ;
- (5) पृष्ठ संख्या 2996/6 पर नारणी ख में, स्तम्भ 2 के श्रधीन, 96-धर्मगढ़ (ग्र० जा०) के समक्ष तृतीय पंक्ति में "करगामल" के बाद "ग्राम" श्रन्तः स्थापित किया जायगा ;
- (6) पुष्ठ संख्या 2996/8 पर सारणी ख में, स्तम्भ 2 के श्रधीन, 108—पटनागढ़ के समक्ष द्वितीय पंक्ति में "नेकापानी" के स्थान पर "तेनकापानी" पढ़ा जाए;
- (7) पृष्ठ संख्या 2996/9 पर सारणी ख में,
  - (क) शीर्षेक में ''धेनजानल'' के स्थान पर ''धेनकानल'' पढ़ा जाए 🕫
  - (ख) स्तम्भ 1 में "120-कामरख्यानगर" के स्थान पर "120-कामाख्यानगर" क्रौर स्तम्भ 2 के अधीन प्रथम पंक्ति में "कामारख्यानगर" के स्थान पर "कामाख्यानगर" पढ़ा जाए ;
  - (ग) स्तम्भ 2 के ध्रधीन 121—पाल लहारा के समक्ष प्रथम व द्वितीय पंक्ति में "कामरख्यानगर" के स्थान पर "कामाख्यानगर" पढ़ा जाए;
- (8) पृष्ठ संख्या 2996/12 पर सारणी ख में , स्तम्भ 2 के ब्रधीन, 138--बीरिमिक्षपुर (श्र० ज० जा०) के समक्ष द्वितीय पंक्ति में "विसा" के स्थान पर "बिश्रा" और "जगइकेला" के स्थान पर "जरईकेला" पढ़ा जाए ;
- (9) पृष्ठ संक्या 2996/13 पर सारणी ख में,
  - (क) स्तम्भ 2 के ब्राधीन 142-- चम्पुद्मा (ग्र० ज० जा०) के समक्ष पंचम पंक्ति में "सुमझुरा" के स्थान पर "सुमपुरा" पढ़ा जाए ;

The state of the s

- (क्ष) स्तम्म 2 के अक्षीन 144-क्योक्सर (भ० ७० जा०) के समक्ष द्वितीय पंक्ति में "क्षमपूरा" के स्थान पर "क्षमपुरा" पक्षा जाए;
- (10) पृष्ठ 2996/14 पर, टिप्पण में, "प्रथम दिन को सम्मिलिस था" गड्यों के बाद "परन्तु कटक शहर के वाडों का उस क्षेत्र के प्रतिनिर्देश से इस प्रकार अर्थ लगाया जाएगा जो बार्ड उक्त शहर को 1973 के मार्च के प्रथम दिन को सम्मिलित चे" शब्द सन्तः स्वापित किए जाएंगे।

[सं◆ 282/जशीसा/73] श्रादेश सं,

पी० श्राई० जेकब, सचिव।

